Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-404

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Fourth
Sanskrit ; Paper : Fourth

संस्कृतव्याकरण–VIII

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. षट् कारकाणि ..... कारिका सहित व्याख्या करें।
2. कृत् प्रत्यय प्रयोग में अनुक्त कर्ता तथा अनुक्त कर्म में कौन-सी विभक्ति होती है। सकारिका दर्शाये।
3. एकदा तूभयप्राप्तौ ..... की विशद् व्याख्या करें।
4. किन-किन धातुओं के प्रयोग में अनिनन्त कर्ता की इनन्त में कर्म संज्ञा होती है। कारिका लिखकर व्याख्यान करें।
5. दुहादेर्गौणकं कर्म ..... में क्रिया किस कर्म को कहता है। विवेचन करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. मुख्यं कर्तारमाचष्टे ..... कारिका का अभिप्राय प्रदर्शित कीजिए।
2. किन-किन धातुओं के प्रयोग में कर्ता की कर्म संज्ञा नहीं होती कारक सम्बन्धोद्द्योत अनुसार बताइए।
3. किस-किस के द्वारा उक्त तथा अनुक्त होता है। उदाहरण सहित संख्यान करें।
4. कारकसम्बन्धोद्द्योत की प्रक्रिया से हेतुकर्ता का स्वरूप बताइए।
5. यो यत्र प्रत्ययो जातः ..... के आगे तीन कारिकाएं लिखिए।
6. तृतीया करणे प्रायः ..... में प्रायः को समझाइए।
7. उक्तादन्यदनुक्तं स्यात् ..... को समझाइए।

----------x----------